सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 170 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 27 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मेरा सबसे अच्छा दोस्त वो है जो मेरा सर्वश्रेष्ठ बाहर लाता है।
-हेनरी फोर्ड

भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर... 7 | राहुल को लेकर छत्तीसगढ़ में... 3 | संविधान ही ढाल है, संविधान ही... 2

संसद में परीक्षा सुधार का दांव
पार्टी के भीतर सुलगते सवाल

» सोशल मीडिया पर तरह-तरह के पोस्ट अपनों को तवज्जो न मिलने के शिकायत

» संसद में आज पेश हो रहा है अनुचित साधनों की रोकथाम संशोधन विधेयक 2026

» विपक्षी सांसदों ने छात्रों की पिटाई के मामले में दिया स्थगन प्रस्ताव नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में समय कभी-कभी घड़ी से नहीं घटनाओं से चलता है। कल तक जिस मुद्दे पर सरकार बचाव की मुद्रा में दिखायी दे रही थी आज उसी मुद्दे पर संसद में सुधार का रोडमैप लेकर उतरी है। आज सरकार ने लोक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम संशोधन विधेयक 2026 को पटल पर पेश किया है। इस विधेयक को चर्चा के बाद पारित किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि देर शाम तक इस विधेयक पर चर्चा होगी। इस बिल का उद्देश्य पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली धांधली के खिलाफ कानूनी व्यवस्था को और अधिक सख्त बनाना है। राजनीति की भाषा में इसे डैमेज कंट्रोल कहा जा रहा है।

प्रशासन की भाषा में सुधार की शुरुआत और विपक्ष की भाषा में जनदबाव का परिणाम। लेकिन इतना तय है कि शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल अब केवल एक मंत्री के इस्तीफे या फिर एक परीक्षा तक सीमित नहीं रह गए हैं। सरकार का संदेश साफ है कि व्यवस्था सुधरेगी जवाबदेही तय होगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून और कड़ा होगा। सत्ता पक्ष इसे निर्णायक पहल बता रहा है। लेकिन राजनीति का स्वभाव यह है कि कोई भी फैसला केवल अपने शब्दों से नहीं उसके समय से भी परखा जाता है। और यहीं से बहस शुरू होती है। विपक्ष कह रहा है कि यदि दबाव न बनता तो सुधारों की यह गति शायद इतनी तेज नहीं होती। दूसरी ओर सरकार का तर्क है कि सुधार किसी राजनीतिक दबाव का नहीं संस्थागत आवश्यकता का परिणाम हैं। इन दो दावों के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि कौन सही है बल्कि यह कि क्या अब परीक्षा प्रणाली पर जनता का भरोसा पहले जैसा लौट सकेगा? यह तो रहा सिक्के का एक पहलू सिक्के का दूसरा पहलू भी जोर शोर से उपर उठने के तैयारी मे हैं और वह सरकार को बेचैन करने के लिए काफी है।

सांसदों ने दिया संसद में स्थगन प्रस्ताव नोटिस

विपक्षी सांसदों ने आज लोकसभा और राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देकर 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग पर तत्काल चर्चा की मांग की। यह नोटिस 20 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित बड़े पैमाने पर संसद चलो प्रदर्शन के बाद दिए गए हैं। यह प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के विरोध में

आयोजित किया गया था, जिसमें सैकड़ों छात्रों ने हिस्सा लिया था। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल, मणिकम टैगोर, हिबी ईडन और विजयकुमार उर्फ विजय वसंत ने लोकसभा में अलग-अलग स्थगन प्रस्ताव नोटिस देकर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए बल प्रयोग पर चर्चा की मांग की। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि सुरक्षा बलों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पेलेट गन और शॉक बैटन सहित अत्यधिक और घातक बल का इस्तेमाल किया, जिससे कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ के दृष्टि खोने की आशंका भी जताई गई है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस देकर 20 जुलाई 2026 को दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित अत्यधिक बल प्रयोग पर तत्काल चर्चा की मांग की। डीएमके सांसद टीआर बालू ने भी लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देकर नीट पर तत्काल प्रतिबंध लगाने और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित रूप से घातक हथियारों के इस्तेमाल की जांच कराने की मांग की।

सुधार का प्रथम कदम संसद में बिल पेश

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने आज लोकसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पेश किया। यह कदम नीट पेपर लीक के खिलाफ कई सप्ताह तक चले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है। शून्यकाल के दौरान सदन में जारी विपक्ष सदस्यों के हंगामे के बीच मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक-2026 पेश किया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने सदन की मेज थपथपाते हुए अपना समर्थन दिया। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने विधेयक पर संशोधन प्रस्तुत करने के लिए दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया। स्पीकर ओम बिरला ने कहा यह महत्वपूर्ण विधेयक है। इससे सदन और देश की मंशाओं पर व्यापक चर्चा होगी। सभी दल के लोग इस विषय पर बहुत दिनों से मांग कर रहे थे। ये सुधार का प्रथम कदम है। स्पीकर ने आगे कहा कि मैं सोचता हूं कि सदन में इस विधेयक पर चर्चा हो। सभी इस पर अपने मत व्यक्त करें ताकि किस तरीके से हम देश के अंदर पेपर लीक को रोकने का एक समुचित कदम उठा सकें। इसी बीच विपक्ष की नारेबाजी और हंगामा बरकरार रहा। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों से अनुरोध करते हुए कहा इस विषय पर बोलने का आपको (विपक्षी सदस्यों को) बोलने का पर्याप्त समय दिया जाएगा। सदन की जितनी सहमति होगी उतना समय इस विधेयक पर चर्चा के लिए दिया जाएगा। मेरा आग्रह है कि इस महत्वपूर्ण विधेयक पर सदन का सहयोग करें और चर्चा करें।

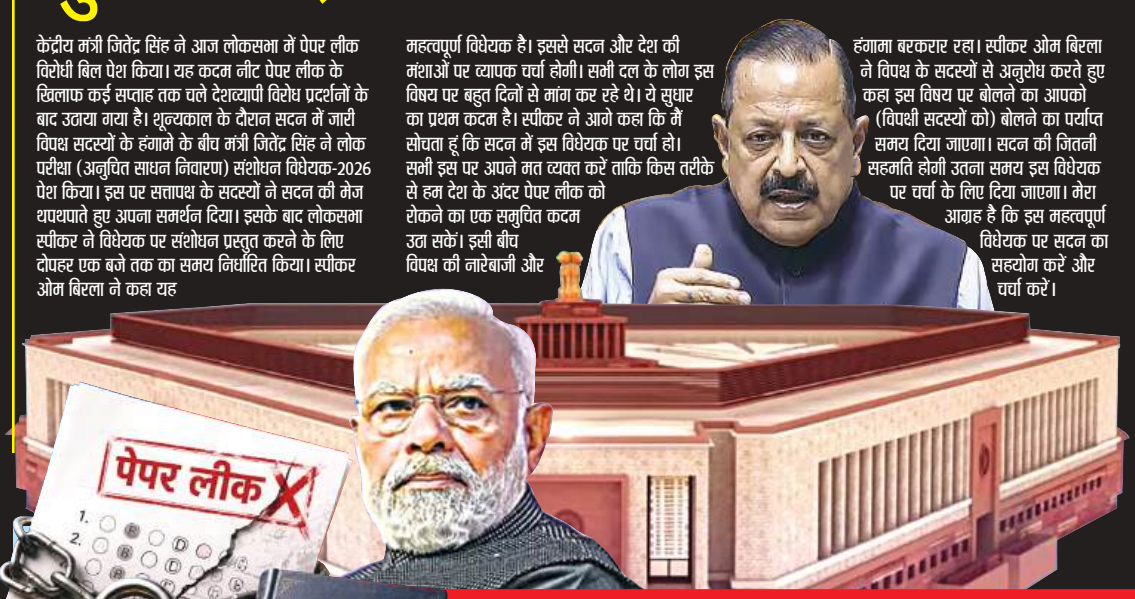

इस्तीफे के विरोध में विरोध के स्वर

भारतीय राजनीति में संकट केवल विपक्ष से नहीं आते और कभी-कभी वह सवाल जो समर्थकों के बीच से भी उठते उनके उत्तर कठिन होते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया हो या फिर वैचारिक संगठन और लोगों के निजी एकांउट। ज्यादातर जगहों पर धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे का विरोध हो रहा है और कहा जा रहा है कि उनका इस्तीफा नहीं लेना चाहिए था। लोग इस स्थिति के लिए अपनो को सरकार के भीतर नजरअंदाजी का कारण बता रहा है और उनका कहना है कि दिल्ली को हाईजैक कर इस्तीफा कराया गया जोकि गलत है। हालांकि अपनो का गुस्सा अभी सिर्फ सोशल मीडिया पर है और देखने वाली बात यह होती है कि सरकार इससे कैसे निबटेगी।

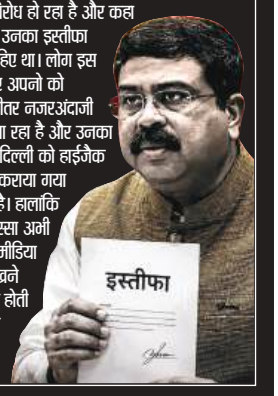

सांसदों ने सरकार पर लगाया आरोप कानून के नाम पर छात्रों को सरकार कर रही गुमराह

मॉनसून सत्र में आज सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने सरकार पर छात्रों के साथ कठोर व्यवहार करने, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी और गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की भी मांग दोहराई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें यह जानकारी मिली है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ अब भी एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस सूचना की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि इसकी पुष्टि ही नहीं हुई है, तो फिर इस पर बहस का क्या औचित्य है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सार्वजनिक परीक्षाओं संशोधन विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पहले भी इस विषय पर कानून बना चुकी है। उन्होंने पूछा कि यदि पहले के कानून पर्याप्त थे, तो नए संशोधन की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और सवाल किया कि क्या सरकार को पढ़े-लिखे छात्रों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा महसूस हो रहा था। यदि सरकार वास्तव में कार्रवाई करना चाहती, तो अब तक जांच एजेंसियां ठोस नतीजे सामने ला चुकी होतीं। झामुमो सांसद महुआ माजी ने कहा कि उनकी पार्टी विधेयक पर गंभीर चर्चा चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पहले भी पेपर लीक रोकने के आश्वासन देती रही है, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की घटनाएं सामने आईं और भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए विपक्ष की राय लेकर कानून बनाया जाना चाहिए। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे युवाओं के खिलाफ पैलेट गन और अन्य बल प्रयोग के उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने दावा किया कि कनॉट प्लेस क्षेत्र में पैलेट गन से कई राउंड फायरिंग हुई। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि निहत्थे और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ इतनी कठोर कार्रवाई क्यों की गई।

कानून बनाने से कुछ नहीं होने वाला : रामगोपाल

» **सपा सांसद बोले- सारा घपला तो डिजिटल होने के बाद से ही शुरू हुआ**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में नीट पेपर मामले पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद आज केंद्र सरकार लोकसभा में पेपर लीक के खिलाफ एंटी पेपर लीक बिल पेश करेगी। इस पर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि सिर्फ कानून बनाने से पेपर लीक नहीं रुक सकता है।

राम गोपाल यादव ने एंटी पेपर लीक बिल लाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या सिर्फ बिल से पेपर लीक रुक जाएगा, कठोर दंड की व्यवस्था 302 में है आजीवन कारावास या फांसी, कभी रुकी, कानून से ये नहीं रुक सकता है, पेपर लीक होता है, या तो पेपर बनाने वाला, या जहां छपता है या कुछ कोचिंग महत्वपूर्ण कोचिंग सेंटर जिनकी बहुत पहुंच होती है, उनकी सेटिंग होती है, वहां से लीक होता है। सपा सांसद ने कहा कि आप चाहे जितना आप कानून बना लीजिए, उससे पेपर लीक नहीं रुकेगा, विरोधी दलों की आगे की रणनीति क्या होगी, इस पर सपा नेता ने कहा कि ये सब वो लोग तय करेंगे। हम ये तय नहीं करेंग। टास्क फोर्स कमेटी पर उन्होंने कहा कि सारा घपला तो डिजिटल होने के बाद से ही शुरू हुआ है, इससे पहले ये लीक नहीं होता था, बहुत आसान हैं उसे हैंक करना और लीक करना।

संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है: अखिलेश यादव

» **सपा प्रमुख बोले- संविधान बचेगा तभी बच पाएगा आरक्षण**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी पूर्व सीएम का बीजेपी पर हमला जारी है। सपा प्रदेश मुख्यालय उन्होंने कहा कि जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे बंधु राष्ट्र बनाने के महा-संकल्प को भी पूरा करेगा।

सपा ने सभी जिला कार्यालयों पर रविवार को आरक्षण दिवस को संविधान मान स्तंभ दिवस के रूप में मनाया। प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तौर पर पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित आरक्षण को कोल्हापुर के श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने राज्य में लागू किया था। प्रदेश मुख्यालय के साथ ही सभी जिला और महानगर कार्यालयों में भी आरक्षण दिवस को संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने अपने-अपने हिसाब से आरक्षण दिवस के महत्व के बारे में बताया।

सरकार को चेतना को चुनौती नहीं देनी चाहिए

समाजवादी पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, अभी सरकार कई जगहों पर छात्रों और युवाओं के खिलाफ केस दर्ज कर रही है। सरकार को चेतना को चुनौती नहीं देनी चाहिए, चेतना सरकार के लिए एक चुनौती बन गई है। सभी राजनीतिक दलों के नेता साथ बैठकर तय करेंगे कि आगे क्या करना है।

152 परीक्षाओं के पेपर लीक : अजय राय

» **सरकारी स्कूल बंद और शिक्षा का बजट घटकर सिर्फ 2.4 प्रतिशत रह गया**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस का भी भाजपा सरकार पर प्रहार जारी है। उप्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि 2014 से अब तक 152 से अधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक, एक लाख से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद और शिक्षा का बजट घटकर सिर्फ 2.4 प्रतिशत रह जाना सरकार की शिक्षा नीति की विफलता का प्रमाण है।

नीट पुनर्परीक्षा के परिणाम की तारीख तक प्रधानमंत्री के बयान में गलत बताई गई, जो शिक्षा और छात्रों के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। जिस सरकार को परीक्षा के बुनियादी तथ्य और तारीखों की सही जानकारी नहीं है, उससे देश के युवाओं को न्याय और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की उम्मीद नहीं की जा सकती।

नफरत की राजनीति से बचना चाहिए : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों पर कार्रवाई के आदेश को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान को निशाना बनाना नफरत और बदले की भावना को दर्शाता है।

महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी जैसे शिक्षा के केंद्र को नुकसान पहुंचाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने लोगों से यूनिवर्सिटी के प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में खड़े होने की अपील की और कहा कि सरकारों को युवाओं की आवाज सुननी चाहिए। उनका यह बयान आरडीए द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी की 38 इमारतों को गिराने के आदेश के बाद आया है।

पंजाब में कोई पेपर लीक नहीं हुआ फेक न्यूज फैला रहा विपक्ष : भगवंत मान

» **भाजपा ने आप और अरविंद केजरीवाल को घेरा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पंजाब की राजनीति में नया बवाल खड़ा हो गया है। बीजेपी ने पंजाब में कथित पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए आम आदमी पार्टी सरकार के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की है। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके कार्यकाल में राज्य में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए सवाल किया, पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे हैं? अरविंद केजरीवाल नैतिकता की बात करते हैं, तो वे अपने पंजाब के शिक्षबीजेपी के इन आरोपों पर आप ने पलटवार करते हुए इसे फेक न्यूज करार दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में पंजाब में एक भी पेपर लीक की घटना नहीं हुई है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा, मैं आपको गारंटी देता हूं कि पंजाब में कोई पेपर लीक नहीं होगा। दो जगहों पर परीक्षा के दौरान नकल करने और कराने की कोशिशें जरूर हुई थीं, लेकिन हमने महज 10 मिनट के अंदर सख्त एक्शन लिया और नकल कराने वाले गिरोहों को बेनकाब किया। पंजाब में किसी भी परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ है। भंडारी ने पंजाब में कई परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के गंभीर आरोप लगाए, जिनमें पीएसईबी कक्षा 12वीं की अंग्रेजी बोर्ड परीक्षा, पंजाब राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा, कृषि विकास अधिकारी परीक्षा, पीएसएसएसबी ग्रुप-बी भर्ती और अन्य संयुक्त परीक्षाएं, नायब तहसीलदार और फार्मेसी अधिकारी भर्ती में बड़े पैमाने पर नकल और आबकारी और कराधान निरीक्षण मेरिट लिस्ट में फर्जी नामों का सामने आना शामिल हैं।

दतिया उपचुनाव: जीतू पटवारी के बयान पर घमासान

» **कांग्रेस अध्यक्ष बोले- चुनाव के बाद हिसाब लेंगे**

» **भाजपा ने कहा- अधिकारियों को धमकाना शर्मनाक**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल/ दतिया । दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का एक बयान सियासी बहस का विषय बन गया है। बसई क्षेत्र के ठकुरपुरा गांव में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने पुलिस और प्रशासन से निष्पक्ष चुनाव कराने की अपील की।

पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है और यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी ने किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम किया या निष्पक्षता से समझौता किया, तो चुनाव के बाद उसकी जवाबदेही तय की जाएगी। वहीं, पटवारी के बयान पर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने पलटवार किया है। सभा को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी संविधान और कानून के प्रति होती है। चुनाव आयोग के निर्देशों का पूरी ईमानदारी से पालन होना चाहिए और मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी रहनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने दबाव में आकर या जानबूझकर पक्षपात किया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और चुनाव के बाद उसका हिसाब लिया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश देते हुए कहा कि वे किसी भी उकसावे में न आएं और पूरी शांति तथा लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ मजबूती से खड़ी है और यदि किसी कार्यकर्ता के साथ अन्याय हुआ तो पार्टी उसका साथ देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहने और मतदाताओं से लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।

ये सीधे-सीधे आचार संहिता का उल्लंघन है : सारंग

मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि ये चमकाने की और धमकाने की राजनीति, ये सामंतवादी मानसिकता लोकतंत्र में मान्य नहीं है। जीतू पटवारी ने आचार संहिता का उल्लंघन किया है। उन पर चुनाव आयोग को संज्ञान लेना चाहिए। इस तरह से अधिकारियों और कर्मचारियों को चमकाना, जो निष्पक्षता से चुनाव कराने में लगे हुए है। चुनाव आयोग के अधिकारियों पर दबाव बनाना, एसपी, कलेक्टर पर दबाव बनाना ये आपत्ति जनक है। ये कांग्रेस की हारी हुई मानसिकता को दिखता है। ये सुनिश्चित है की दतिया में भारतीय जानता पार्टी प्रचंड बहुमत से जीतेगी।

राहुल को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासी घमासान

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पर एफआईआर

नेता प्रतिपक्ष को हिरासत में लेने पर बवाल

» थाने में जुटे कांग्रेसी बीजेपी नेताओं पर काउंटर एफआईआर की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। नीट पेपर लीक मामले में पूरे देश में हंगामा मचा हुआ। इसका असर छत्तीसगढ़ में दिख रहा है। पिछले दिनों नई दिल्ली में पीएम आवास के सामने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस नेताओं के प्रदर्शन को लेकर राज्य सियासी घमासान मचा हुआ है। मामले में प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। मामला इतना तूल पकड़ लिया है कि पुलिस की चौखट पर भाजपा व कांग्रेस के लोग पहुंच गए हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस मंत्रियों समेत बीजेपी नेताओं पर काउंटर एफआईआर दर्ज करवाने के लिये पुलिस पर दबाव बना रही है।

बीते शाम से ही कांग्रेसी थाने में डटे हैं। राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जा रही है। रायपुर के खम्हारडीह थाने के सामने कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता 15 घंटे से ज्यादा समय से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए हैं। बता दें कि यह धरना भाजपा-कांग्रेस में मचे बवाल के बाद कांग्रेस के 16 नेताओं और कई कार्यकर्ताओं पर गैर-जमानती धाराओं में दर्ज एफआईआर के विरोध में किया जा रहा है। मामले में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज रायपुर के खम्हारडीह थाना में दर्ज की गई एफआईआर के विरोध में धरने पर डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक नेता की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सत्य और जनआवाज की लड़ाई है। लोकतंत्र की आवाज को दबाने की हर कोशिश का पुरजोर विरोध किया जायेगा।

पानी के बोतल फेंके, लाठियां भी भांजी

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख शुक्ला ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपाइयों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थरों से हमला किया। पानी के बोतल फेंके, लाठियां फेंक कर हमला किया। भाजपा कार्यकर्ता एक ट्रैक्टर भर के पत्थर, पुराने चप्पल, लाठी लेकर आये थे। पुलिस ने कुल पांच आंसू गैस के गोले कांग्रेस के लोगों के ऊपर फेंका, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं के ऊपर एक भी गोला नहीं छोड़ा। पुलिस ने वॉटर केनन से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ऊपर ही प्रहार किया। पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओ को खुला संरक्षण दे रही थी। कांग्रेस के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता इस हमले में घायल हुये हैं। हमारी महिला कार्यकर्ता भी पुलिस के लाठी-डंडे से घायल हुई हैं।

महाराष्ट्र में चल रहा संयोग या प्रयोग?

महाराष्ट्र की सियासत में प्रयोग पर प्रयोग हो रहें हैं। ये कोई संयोग नहीं है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) में अंदरूनी कलह की लगातार खबरें आ रही हैं। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे की मुंबई में मुख्मंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर पर उनसे मुलाकात के बाद इन अफवाहों

» सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल की फडणवीस से मुलाकात पर चर्चा

को कई और हवा मिलीं। हालांकि एनसीपी महाराष्ट्र यूनिट के प्रमुख और सांसद सुनील तटकरे ने साफ किया कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि फिलहाल शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के साथ विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो दिन पहले मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से उनकी मुलाकात उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के संबंध में हुई थी। सुनील तटकरे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से एक दिन पहले मिलने का समय मांगा था, लेकिन भाजपा कोर कमेटी की बैठक के कारण मुलाकात नहीं हो सकी।

सीएम के साथ मेरी बैठक मेरे लोकसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर थी : तटकरे

एनसीपी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ मेरी बैठक मेरे लोकसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर थी। वित्त विभाग से जुड़े मामलों सहित कई मुद्दों पर सरकार से चर्चा करनी है। तटकरे, उनके वरिष्ठ सहयोगी प्रफुल्ल पटेल और

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नेता जयंत पाटिल ने मंगलवार देर रात फडणवीस से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद महाराष्ट्र में संभावित राजनीतिक पुनर्गठन की अटकलें लगने लगी थीं। हालांकि एनसीपी के दोनों गुटों के नेताओं ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से अलग-अलग मुलाकात की थी।

एनसीपी के दोनों गुटों का विलय दूर की बात

सुनील तटकरे ने कहा कि जयंत पाटिल वरिष्ठ नेता, पूर्व वित्त मंत्री और अनुभवी राजनेता हैं। उन्होंने स्वयं स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने मुख्यमंत्री से क्यों मुलाकात की। उनकी और मेरी मुलाकात का आपस में कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल पटेल उसी रात विदेश रवाना होने वाले थे, इसलिए उन्होंने कुछ मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में एनसीपी (अजित पवार) और एनसीपी (शरद पवार) के विलय को लेकर बातचीत काफी आगे बढ़ गई थी, लेकिन एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार के निधन के बाद यह प्रक्रिया ठप हो गई। सुनील तटकरे ने कहा कि शरद पवार गुट के नेताओं ने स्वयं कहा है कि विलय पर बातचीत समाप्त हो चुकी है। फिलहाल हमारे सामने ऐसा कोई नया प्रस्ताव नहीं है। भविष्य में यदि ऐसा कोई प्रस्ताव आता है, तो उसपर हम अपना पक्ष रखेंगे। उन्होंने उन अटकलों को भी खारिज किया कि परिसीमन विधेयक को शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट का कथित समर्थन भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ उसकी नजदीकी का संकेत है।

राजनीतिक मार्यादा जानता हूं

उन्होंने कहा, किसी विधेयक का समर्थन करने का मतलब यह नहीं है कि कोई दल एनडीए में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय हित में संसद में कई विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुए हैं। किसी कानून का समर्थन करना और किसी गठबंधन का हिस्सा बनना दो अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली अपनी पार्टी में मतभेदों की खबरों को भी खारिज किया। कहा कि हम राजनीतिक मर्यादा को समझते हैं। हम सभी आपसी सम्मान के साथ पार्टी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। पार्टी के भीतर अविश्वास की बात मैं पहली बार सुन रहा हूं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर किया पत्थरों से हमला : सुशील आनंद शुक्ला

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने इसे भाजपा के सुनियोजित तरीके से कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने इसे घोषितौर पर प्रदर्शन कहा है, लेकिन यह पूरी तरह से सरकार और पुलिस के संरक्षण में किया गया हमला था। कांग्रेस के कार्यकर्ता सामान्य दिनों की भांति कांग्रेस मुख्यालय में एकत्रित थे, जैसे ही हमें पता चला कि भाजपाई कांग्रेस मुख्यालय में हमला करने आ रहे हैं। हमारे लोग भी प्रतिवाद करने आगे आये।

जिन मंत्रियों की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने वे भड़काऊ बयान दे रहे : दीपक बैज

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर तीखा तंज कसते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली में हुई घटना के विरोध में राहुल गांधी के प्रदर्शन से बौखलाकर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। यह बीजेपी का प्रदर्शन नहीं बल्कि कांग्रेस कार्यालय पर हमला था। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता हाथों में लाठी, डंडे और पत्थर लेकर कांग्रेस कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीजेपी के प्रदर्शन में छह-छह मंत्री शामिल होते हैं। मंत्रियों की

जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने की होती है, लेकिन वे खुद ही भड़काऊ बयान दे रहे थे। बैज ने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरी घटना के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। बीजेपी का यह प्रदर्शन नहीं था, बल्कि कांग्रेस कार्यालय पर हमला था। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की कड़ी निंदा की है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रकृति के असंतुलन से बिगड़ता है मौसम

भारत के एक बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का खतरा बना हुआ है, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है। इस बीच तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है।

जिस तरह से पहाड़ों से लेकर मैदानों तक मानसून की बारिश के बाद तबाही आ रही है। उससे मनुष्यों द्वारा प्रकृति के साथ ज्यादिती की तस्वीर साफ दिखाई दे रही है। इससे पहले गर्मी में देश सुखे के आसार बने थे। वैज्ञानिकों माना था भारत में सुपर एल-नीनो के प्रभाव से कहीं भीषण गर्मी के साथ सूखा तो कहीं बाढ़ भी आ सकता है। यह सुपर अल नीनो 150 साल पहले आई घटना से भी अधिक विनाशकारी होगा। देश के अधिकांश हिस्सों में पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। आने वाले दिनों में इस भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। भारत के एक बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का खतरा बना हुआ है, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है। इस बीच तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस जानलेवा गर्मी के पीछे वैश्विक कारकों के साथ-साथ कई स्थानीय कारण भी जिम्मेदार हैं-लंबे समय से सूखा मौसम और आसमान में बादलों की कमी के कारण धूप सीधे और तीखी पड़ रही है। शहरों में कंक्रीट का जाल, घनी आबादी, वाहनों का धुआं, एयर कंडीशनर (एसी) से निकलने वाली गर्मी और फैक्ट्रियों के कारण शहर कंक्रीट के तपते हुए द्वीप बन चुके हैं, जहाँ ग्रामीण इलाकों की तुलना में तापमान कई गुना ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। दरअसल, वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक शक्तिशाली सुपर एल-नीनो आकार ले रहा है, जो 1877 के बाद की सबसे विनाशकारी मौसम संबंधी घटना साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिलेगा, क्योंकि एल-नीनो भारत की लाइफलाइन कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित करने वाला है। एल-नीनो एक मौसम संबंधी प्राकृतिक जलवायु घटना है, यह घटना पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से अधिक होने पर बनती है। एल-नीनो के असर से पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इस गर्मी से वैश्विक पवन पैटर्न कमजोर या परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे एक श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है जो दुनिया भर की मौसम प्रणालियों को बाधित करती है। चेतना पड़ेगा नहीं तो गर्मी का कहर सब नष्ट कर देगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्याय नहीं, प्रतिशोध का माध्यम बनते कार्यस्थल

डॉ. रितु सारस्वत

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के एक चिंताजनक पक्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत-पत्र भेजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शिकायतों के परिणामस्वरूप कई बार संबंधित व्यक्ति की नौकरी चली जाती है या उसका सेवा-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। न्यायालय के अनुसार, तलाक का मुकदमा लड़ना एक अलग बात है, किंतु किसी व्यक्ति की आजीविका और पेशेवर प्रतिष्ठा को संकट में डाल देना कहीं अधिक गंभीर है।

यदि किसी व्यक्ति की नौकरी ही समाप्त हो जाए, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव भरण-पोषण (मेंटेनेंस) जैसे वैधानिक दायित्वों पर भी पड़ सकता है। पिछले पांच दशकों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अप्रमाणित अथवा मानहानिकारक शिकायतें करना केवल व्यक्तिगत प्रतिशोध का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सेवा-जीवन और आजीविका पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालयों ने समय-समय पर ऐसे आचरण को मानसिक क्रूरता के दृष्टिकोण से परखा है तथा परिस्थितियों के अनुसार इसे वैवाहिक संबंध-विच्छेद का आधार भी माना है। इस संबंध में सबसे प्रारंभिक और उल्लेखनीय निर्णयों में से एक 'शकुंतला कुमारी बनाम ओम प्रकाश घई' (दिल्ली उच्च न्यायालय, 1980) का है। इस मामले में अलग रह रही पत्नी ने लोकसभा सचिवालय, जहां उसका पति कार्यरत था, को पत्र लिखकर उस पर दुर्व्यवहार तथा अन्य गंभीर आरोप लगाए। न्यायालय ने पाया कि यदि पत्नी का उद्देश्य केवल भरण-पोषण प्राप्त करना था, तो उसके लिए यह कहना पर्याप्त था कि उसे भरण-पोषण नहीं मिल रहा है।

इसके लिए पति तथा उसके परिवार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं थी। न्यायालय ने इस प्रकार की शिकायतों के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'नियोक्ता के समक्ष इस प्रकार की असत्य शिकायत करना निस्संदेह मानसिक क्रूरता है।

इससे कर्मचारी की अपने नियोक्ता की दृष्टि में प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा उसके सेवा-जीवन और पदोन्नति की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक रूप से इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और उसकी मानसिक शांति भंग होती है।' प्रश्न केवल इतना नहीं है कि न्यायालयों ने इस प्रकार के आचरण को मानसिक क्रूरता क्यों माना। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि व्यक्तिगत संबंधों में उत्पन्न विवाद किस प्रकार उस सीमा तक पहुंच जाते हैं, जहां व्यक्ति न्याय की अपेक्षा दूसरे को अधिकतम क्षति पहुंचाने का माध्यम खोजने लगता है। जब संघर्ष का उद्देश्य समाधान के स्थान पर दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा, आजीविका अथवा पेशेवर जीवन को प्रभावित करना बन जाए, तब यह केवल वैवाहिक विवाद नहीं रह जाता, बल्कि मानवीय संबंधों के नैतिक पतन का भी संकेत देता है। इसी संदर्भ में रॉबर्ट होगन का 'सामाजिक-विश्लेषणात्मक सिद्धांत' महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। उनके अनुसार व्यक्ति केवल अपनी एक पहचान नहीं बनाता, बल्कि समाज भी उसके व्यवहार और कार्य के आधार पर उसके प्रति एक धारणा विकसित करता है। यही धारणा समय के साथ उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनती है। इसलिए जब व्यक्तिगत संबंधों का संघर्ष किसी व्यक्ति की पेशेवर प्रतिष्ठा को लक्ष्य बनाता है, तो उसका प्रभाव केवल वर्तमान विवाद तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वर्षों में अर्जित विश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता पर भी पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में सबसे बड़ी विडंबना यह होती है कि आरोपों की सत्यता का परीक्षण बहुत बाद में होता है, जबकि उनके आधार पर बनने वाली सामाजिक धारणा तत्काल अपना प्रभाव छोड़ने लगती है। कार्यस्थल पर पहुंचा व्यक्तिगत विवाद व्यक्ति को ऐसी स्थिति में खड़ा कर देता है, जहां उसे घटनाओं के लिए भी संकोच, असहजता और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है जिनका उसके पेशेवर दायित्वों से कोई संबंध नहीं होता।

वह स्वयं को असहाय अनुभव करता है, क्योंकि एक ओर न्यायिक प्रक्रिया अपनी गति से चल रही होती है, वहीं दूसरी ओर उसके सहकर्मी, वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक परिवेश उसके बारे में अपनी-अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं। यही कारण है कि ऐसी शिकायतों का प्रभाव केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी पड़ता है।

वाहनों के हिसाब से पार्किंग के विकास की चुनौती

अंततः प्रश्न केवल वैवाहिक विवादों का नहीं, बल्कि उस सामाजिक मर्यादा का है जो न्याय और प्रतिशोध के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखती है। यदि निजी संघर्ष सार्वजनिक प्रतिष्ठा को नष्ट करने का माध्यम बनने लगें, तो यह केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता की परीक्षा बन जाता है।

विवेक शर्मा

नई गाड़ी खरीदना पहले कभी इतना आसान नहीं था, लेकिन उसे सुरक्षित जगह पर खड़ा करना शायद पहले कभी इतना मुश्किल भी नहीं था। बैंक के आसान ऋण और आकर्षक ईएमआई ने कार को हर मध्यमवर्गीय परिवार की पहुंच में ला दिया है। विडंबना यह है कि कार खड़ी करने की जगह अब बची ही नहीं है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, मई 26 तक देश में 42.09 करोड़ से अधिक मोटर वाहन पंजीकृत थे। दूसरी ओर, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार केवल जून 26 में 25.57 लाख वाहनों की बिक्री हुई। इसके बावजूद शहरों का बुनियादी ढांचा इस रफ्तार का साथ नहीं दे पा रहा। नतीजा यह है कि आज कई शहरों में वाहन चलाने से अधिक कठिन उसे सुरक्षित खड़ा करना हो गया है।

रात के दस बज रहे हैं। दफ्तर से लौटा एक व्यक्ति आधे घंटे से अपनी ही कॉलोनी में गाड़ी खड़ी करने की जगह तलाश रहा है। गली के कई चक्कर लगाने के बाद भी जगह न मिलने पर उसे वाहन मुख्य सड़क किनारे खड़ा करना पड़ता है। सुबह तक यही चिंता सताती रहती है कि कहीं पुलिस चालान न कर दे या गाड़ी को कोई नुकसान न पहुंच जाए। यह दृश्य अब किसी एक महानगर का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश शहरों की रोजमर्रा की हकीकत बन चुका है। रिहायशी कॉलोनियों में यह संकट सबसे गंभीर रूप में दिखाई देता है। घरों के बाहर रखी ईंटें, बाल्टियां, गमले या टूटी कुर्सियां अब आरक्षित पार्किंग के स्वघोषित संकेत बन चुके हैं। वर्षों पुराने पड़ोसी भी केवल पार्किंग के मुद्दे पर आमने-सामने आ जाते हैं। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठकों में विकास से अधिक पार्किंग विवादों की चर्चा होती है और कई मामले थानों तक पहुंच जाते हैं। पार्किंग अब केवल जगह का नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्तों और नागरिक अनुशासन की परीक्षा का विषय बन चुकी है। सार्वजनिक स्थानों पर स्थिति और भी चिंताजनक है।

अस्पतालों में मरीज को मुख्य द्वार पर उतारकर तीमारदार को वाहन खड़ा करने के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। दुर्घटना या गंभीर बीमारी के गोल्डन आवर में इलाज में होने वाली देरी कई बार प्राणघातक साबित होती है। बाजारों में सप्ताहांत पर लोगों का काफी समय पार्किंग तलाशने में ही निकल जाता है। सड़क किनारे आड़ी-तिरछी खड़ी गाड़ियों के कारण कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड के वाहन संकरी गलियों में समय पर नहीं पहुंच पाते। असल समस्या केवल वाहनों की बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि नीतिगत कमियां और शहरी नियोजन की कमजोरियां भी हैं। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) नई परियोजनाओं में पार्किंग का प्रावधान अनिवार्य करती है, लेकिन पुराने शहरों में पर्याप्त पार्किंग विकसित नहीं हो सकी।

जिन नए भवनों में स्टिल्ट पार्किंग अनिवार्य की गई, वहां भी कई लोगों ने अवैध निर्माण कर लिए। सड़कें संकरी होती जा रही हैं और फुटपाथ अवैध पार्किंग की चपेट में हैं। इसका सबसे बड़ा खमियाजा पैदल चलने वालों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ता है। दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती का समाधान समय रहते तलाश लिया। जापान में कार खरीदने से पहले निजी पार्किंग (गैराज) का प्रमाण देना अनिवार्य है। सिंगापुर में कार रखना इतना महंगा है कि लोग सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हैं। भारत के कई शहरों में भी बहुमंजिला और स्मार्ट पार्किंग विकसित की गई है, लेकिन कई स्थानों पर उनका अपेक्षित उपयोग नहीं हो रहा। इसकी एक वजह लोगों की यह मानसिकता भी है कि वे सुरक्षित पार्किंग के लिए शुल्क देने के बजाय सड़क पर मुफ्त में वाहन खड़ा करना अपना अधिकार मानते हैं। समस्या का स्थायी समाधान केवल नई पार्किंग इमारतें बनाना नहीं है। इसके लिए प्रभावी प्रबंधन, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्त जुर्माना तथा मेट्रो, सिटी बसों और अन्य भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार जरूरी है।

साथ ही, नई आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में पार्किंग संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। पार्किंग को भवन निर्माण की औपचारिक शर्त नहीं, बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे का अनिवार्य हिस्सा मानना होगा। विकास और आधुनिकता का पैमाना केवल चमचमाते फ्लाईओवरों, चौड़ी सड़कों और उन पर दौड़ती निजी गाड़ियों से तय नहीं हो सकता। हमने ईएमआई पर कार खरीदकर स्टेटस सिंबल तो हासिल कर लिया, लेकिन अपने ही मोहल्लों में सुकून से पैदल चलने की जगह गंवा दी। यदि अब भी पार्किंग को शहरी नियोजन के केंद्र में नहीं रखा गया, तो हमारे शहर धीरे-धीरे वाहनों के कबाड़खाने में तब्दील होते जाएंगे। वह दिन दूर नहीं, जब कोई नया वाहन घर लाने पर लोग यह नहीं पूछेंगे कि गाड़ी कौन-सी है या कितने रुपयों की खरीदी, बल्कि पहला सवाल यही होगा भाई साहब, बधाई हो... लेकिन इसे खड़ी कहां करेंगे?।

गर्मियों में सकून चाहते हैं तो जाएं

बिहार

गर्मियों में हर किसी का मन घूमने का करता है, लेकिन सही जगह का चुनाव सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। अगर आप कम बजट में शानदार यात्रा अनुभव चाहते हैं, तो बिहार आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह राज्य न केवल अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां हर जिले में कुछ न कुछ खास घूमने लायक जरूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों की यात्रा करना चाहते हों, प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हों या फिर ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से देखना चाहते हों, बिहार हर तरह के यात्रियों के लिए कुछ खास ऑफर करता है। गर्मियों में यहां के झरने, पहाड़ियां और इको-टूरिज्म स्पॉट आपको राहत देने के साथ-साथ यादगार अनुभव भी देते हैं। खास बात यह है कि बिहार के कई पर्यटन स्थल अभी भी भीड़-भाड़ से दूर हैं, जहां आप सुकून के साथ समय बिता सकते हैं। अगर आप इस बार कुछ अलग एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो बिहार के अलग-अलग जिलों की ये खास जगहें आपके यात्रा योजना को परफेक्ट बना सकती हैं।

ककोलत जलप्रपात

गर्मियों में ठंडक पाने के लिए ककोलत जलप्रपात (नवादा) और टुटला भवानी जलप्रपात (रोहतास) बेहद लोकप्रिय हैं। इसके अलावा कैमूर का अधौरा हिल क्षेत्र भी ठंडा और सुकूनभरा अनुभव देता है।

महाबोधि मंदिर

बिहार के कई जिले धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। महाबोधि मंदिर (गया) बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र है, जबकि तख्त श्री हरमंदिर साहिब सिखों का पवित्र स्थल है। नालंदा विश्वविद्यालय अवशेष प्राचीन शिक्षा प्रणाली का अद्भुत उदाहरण है।

दरभंगा राज किला

दरभंगा राज किला, मधुबनी आर्ट सेंटर और विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसे स्थान बिहार की कला, संस्कृति और इतिहास को दर्शाते हैं। गर्मियों में बिहार घूमते समय हल्के कपड़े पहनें, पानी की बोतल साथ रखें और दोपहर में ज्यादा ट्रैवल करने से बचें। खासतौर पर वॉटरफॉल और नेचर स्पॉट्स सुबह या शाम के समय घूमने जाएं, ताकि आप मौसम का पूरा आनंद ले सकें।

वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान

अगर आप गर्मी से राहत चाहते हैं, तो वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान और राजगीर नेचर सफारी जैसे स्थान बेहतरीन हैं। यहां हरियाली, वन्यजीव और शांति का अनोखा संगम देखने को मिलता है। यहां पर पर्यटकों को ठहरने के लिए भी बहुत ही बेहतरीन एकोमोडेशन की व्यवस्था की गई है। यहां पर ठहरने के लिए बंबू कॉटेज, ट्री कॉटेज के अलावा कई रिजॉर्ट भी हैं।

हंसना मना है

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हंसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

महिला- डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूं? डॉक्टर- उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

सोनू पत्नी से- सुनती हो, अगर तुम्हारे बाल इसी रफ्तार से झड़ते रहे, तो मैं तुमको तलाक दे दूंगा। पत्नी- हे भगवान, मैं पागल अब तक इनको बचाने की कोशिश कर रही थी।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

कहानी | मंगलमय पवित्र दान

एक सेठ ने अन्नसत्र खोल रखा था। उनमें दान की भावना तो कम थी, पर समाज उन्हें दानवीर समझकर उनकी प्रशंसा करे यह भावना मुख्य थी। वर्ष के अंत में कोठारों में जो सड़ा, गला अन्न बिकने से बच जाता था, वह दान के लिए भेज दिया जाता था। प्राय: सड़ी ज्वार की रोटी ही सेठ के अन्नसत्र में भूखों को प्राप्त होती थी। सेठ के पुत्र का विवाह हुआ। पुत्रवधू बड़ी सुशील, धर्मज्ञ और विचारशील थी। उसे जब पता चला कि उसके ससुर द्वारा खोले गये अन्नसत्र में सड़ी ज्वार की रोटी दी जाती है तो उसे बड़ा दु:ख हुआ। उसने भोजन बनाने की सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पहले ही दिन उसने अन्नसत्र से सड़ी ज्वार का आटा मंगवाकर एक रोटी बनायी और सेठ जब भोजन करने बैठे तो उनकी थाली में भोजन के साथ वह रोटी भी परोस दी। काली, मोटी रोटी देखकर कौतुहलवश सेठ ने पहला ग्रास उसी रोटी का मुख में डाला। तो वे थू-थू करने लगे और बोले- बेटी! घर में आटा तो बहुत है। यह तूने रोटी बनाने के लिए सड़ी ज्वार का आटा कहां से मंगाया? पुत्रवधू बोली- पिता जी ! यह आटा परलोक से मंगाया है। ससुर बोले- बेटी मैं कुछ समझा नहीं। पिता जी जो दान पुण्य हमने पिछले जन्म में किया वही कमाई अब खा रहे हैं और जो हम इस जन्म में करेंगे वही हमें परलोक में मिलेगा। हमारे अन्नसत्र में इसी आटे की रोटी गरीबों को दी जाती है। परलोक में केवल इसी आटे की रोटी पर रहना है। इसलिए अभी से हमें इसे खाने का अभ्यास हो जाये तो वहां कष्ट कम होगा। सेठ को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने अपनी पुत्रवधू से क्षमा मांगी और अन्नसत्र का सड़ा आटा उसी दिन फिंकवा दिया। तब से अन्नसत्र से गरीबों, भूखों को अच्छे आटे की रोटी मिलने लगी।

शिक्षा- आप दान तो करो लेकिन दान ऐसा हो कि जिससे दूसरे का मंगल-ही-मंगल हो। जितना आप मंगल की भावना से दान करते हो उतना दान लेने वाले का भला होता ही है, साथ में आपका भी यह लोक और परलोक सुधर जाता है। दान करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि लोग मेरी प्रशंसा करें, वाह-वाही करें। दान इतना गुप्त हो कि देते समय आपके दूसरे हाथ को भी पता न चले।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कर्क

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

सिंह

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। जल्दबाजी से बचें।

वृश्चिक

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें।

मकर

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन

कारोबार में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

हिंदी से ज्यादा ऑर्गनाइज्ड है तेलुगु सिनेमा : सोनाली बेंद्रे

बॉलीवुड | गपशप

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने अपने करियर में बॉलीवुड के साथ-साथ कई साउथ इंडस्ट्री में भी काम किया है। दोनों इंडस्ट्री में लंबे समय तक काम करने का एक्सपीरियंस रखने वाली सोनाली ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें तेलुगु सिनेमा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से ज्यादा ऑर्गनाइज्ड लगता है और इसकी वजह भी बताई।

मैशेबल इंडिया से बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने हिंदी और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उनसे पूछा गया कि तेलुगु और हिंदी फिल्मों के सेट पर उन्हें सबसे बड़ा फर्क क्या महसूस हुआ। इस पर सोनाली ने कहा, उस समय तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री हिंदी फिल्मों के मुकाबले कहीं ज्यादा ऑर्गनाइज्ड थी। वहां स्क्रिप्ट पहले से तैयार रहती थी, सीन पहले से प्लान होते थे। जबकि हिंदी सिनेमा में मैंने ऐसी फिल्मों में भी काम किया है, जहां सेट पर ही स्क्रिप्ट लिखी जा रही थी। यही दोनों इंडस्ट्री के बीच सबसे बड़ा अंतर था। हां, खाने का फर्क भी था।

सोनाली ने आगे कहा कि तेलुगु फिल्में हमेशा से बड़े स्तर पर बनती रही हैं। उनका बजट, उनका स्केल और पूरी प्लानिंग काफी बड़ी होती है, जो उन्हें हिंदी फिल्मों से अलग बनाती है। बता दें, हाल ही में एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने भी शुभांकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में कहा थी कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कुछ भी वक्त पर नहीं होता है। जबकि साउथ में टाइम के हिसाब से काम किया जाता है।

सोनाली बेंद्रे ने साल 1994 में गोविंदा के साथ फिल्म आग से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंनेदिलजले, मेजरसाब ,डुप्लीकेट, सरफरोश और हम साथ-साथ हैं जैसी कई फिल्मों में काम किया। हिंदी के अलावा एक्ट्रेस ने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मराठी फिल्मों में भी काम किया। तेलुगु सिनेमा में महेश बाबू के साथ मुरारी, चिरंजीवी के साथ इंद्र और नागार्जुन के साथ मनमधुडु जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया। हाल ही में एक्ट्रेस सीरीज राख में नजर आई हैं।

फिल्म 'आदिपुरूष' पर बोले मनोज मुंतशिर, कहा-

पीछे मुड़कर देखता हूं तो शर्म आती है

20 23 में रिलीज हुई फिल्म 'आदिपुरुष' में पौराणिक महाकाव्य रामायण को बड़े पर्दे पर जीवंत करने की कोशिश की गई थी। मगर दर्शकों को फिल्म का नवीनीकरण पसंद नहीं आया था। यह फिल्म अपने संवाद और वीएफएक्स समेत कई चीजों के लिए बुरी तरह ट्रोल की गई थी। अब एक बार फिल्म के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर ने इस फिल्म को लेकर बात की है। फिल्म आदिपुरुष को इसकी रिलीज के पहले से दर्शकों ने ट्रोल करना शुरू कर दिया था। फिल्म का ट्रेलर देखकर ही दर्शकों ने इस पर चर्चा करना शुरू कर दी थी। हाल ही में टाइम्स नाउ से बातचीत में फिल्म के लेखक मनोज मुंतशिर ने कहा, आदिपुरुष की रिलीज से लगभग छह महीने पहले से ही लोगों ने फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाना और फिल्म को ट्रोल करना शुरू कर दिया था। मेरी पत्नी को डर था कि मेकर्स का समर्थन करते ही मैं भी इस विरोध का चेहरा बन जाऊंगा।

फिल्म को याद करते हुए लेखक मनोज मुंतशिर ने आगे कहा, शुरुआत में मैं थोड़ा उदास था। मुझे यह समझने में दो दिन लगे कि हुआ क्या है। बाद में समझ आया कि यह फिल्म मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती थी और उस फिल्म का बचाव करना उससे भी बड़ी गलती।

मुंतशिर कहते हैं, फिल्म को लेकर जो कुछ भी हुआ, उसके लिए मुझे बहुत शर्म आती है। जो कुछ भी हुआ उसके लिए मैं इस देश से माफी मांगता हूं। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे शर्म आती है कि मैंने क्या लिखा था? मुझे नहीं पता कि लिखते समय मैं क्या सोच रहा था?

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने मुझे बेहतरीन कलाकार बनने का मौका दिया : अदा शर्मा

अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप में स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अदा शर्मा ने आगे कहा, अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर एक्टर देखता है। बता दें कि अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। 'द केरल स्टोरी' जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। अदा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म 'द केरला स्टोरी' से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है।'द केरल स्टोरी' की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में 'केरल स्टोरी 2' भी रिलीज की गई थी।

पानी पर तैरते 500 मीटर लंबे पुल पर लोग चलाते हैं गाड़ियां, जरा सी चूक और सीधे मौत

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक अनोखे ब्रिज हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है। इनमें से कहीं कांच का पुल गहरी खाई के ऊपर बना है, तो कहीं समुद्र के बीचों-बीच कई किलोमीटर लंबा पुल नजर आता है। लेकिन चीन इस मामले अन्य देशों से हमेशा दो कदम आगे रहता है। आज हम आपको चीन के एक ऐसे ही अनोखे ब्रिज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 60 मीटर गहरी नदी के ऊपर बना है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इस ब्रिज को लकड़ी से बनाया गया है, जो नदी के पानी पर तैरता है। यानी ब्रिज को सहारा देने के लिए कोई पीलर नहीं है। इसका नाम शिजिगुआन फ्लोटिंग ब्रिज है, जो चीन के हुबेई प्रांत स्थित एनशी प्रिफेक्चर की हसीन वादियों में बना है। यह अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। लगभग 500 मीटर लंबा और 4।5 मीटर चौड़ा यह लकड़ी का पुल पानी के ऊपर बिछाया गया है, जिसे स्थानीय लोग लॉन्ग ब्रिज ऑफ ड्रीम्स या वाटर हाइवे भी कहते हैं। हरे-भरे पहाड़ों और लगभग 60 मीटर गहरे नीले किंगजियांग नदी के पानी पर तैरता यह पुल ऐसा अहसास कराता है, मानो गाड़ियां सड़क पर नहीं, बल्कि सीधे पानी की सतह पर तैर रही हों। इस फ्लोटिंग ब्रिज का निर्माण साल 2016 में जर्मन तकनीक की मदद से किया गया था। इसमें उच्च घनत्व वाले पॉलीथीन के तैरते हुए पॉन्टून लगाए गए हैं, जो पानी में स्थिरता और उछाल बनाए रखते हैं। इस पुल पर गाड़ियों और पैदल चलने वाले भी जा सकते हैं। हालांकि, पानी में किसी तरह का बड़ा उछाल या लहरें न बनें, इसके लिए वाहनों की अधिकतम गति सीमा 20 किमी/घंटा तय की गई है। इसके अलावा, इस पुल पर एक समय में अधिकतम 2.8 टन वजन वाले वाहनों को ही गुजरने की अनुमति दी जाती है। इंजीनियरिंग का यह नायाब नमूना पर्यटकों के लिए किसी सपने से कम नहीं लगता, लेकिन इसका एक खौफनाक और खतरनाक पहलू भी सामने आ चुका है। मई 2023 में एक बड़ा हादसा तब हुआ, जब 8 यात्रियों से भरी एक 9-सीटर स्कूल कार नियंत्रण खोकर साइड रेलिंग को तोड़ते हुए गहरे पानी में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में 5 लोगों की डूबने से मौत हो गई थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुल की सुरक्षा और स्पीड लिमिट को लेकर बड़े सवाल खड़े हुए थे, जिसके बाद इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। सुरक्षा मानकों की समीक्षा और कड़े नियम लागू करने के बाद इस पुल को फिर से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है।

अजब-गजब | इसे माना जाता है सूरज के सबसे करीब का गांव

सूरज के अपेक्षाकृत ज्यादा करीब होने के बावजूद यहां पड़ती है कड़ाके की ठंड

जब भी दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ की बात होती है, तो सबसे पहले माउंट एवरेस्ट का ही नाम लोगों के जेहन में आता है। ज्यादातर लोगों को यही लगता है कि एवरेस्ट ही धरती का वह स्थान है, जो अंतरिक्ष और सूरज के सबसे करीब है। लेकिन सच इससे बिल्कुल अलग है। दुनिया में एक ऐसा पहाड़ भी मौजूद है, जिसकी चोटी पृथ्वी के केंद्र से मापने पर एवरेस्ट से भी ज्यादा अंतरिक्ष और सूरज के करीब पहुंचती है। यह पहाड़ है दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर में स्थित माउंट चिम्बोराजो। यही वजह है कि वैज्ञानिक इसे धरती के सबसे खास पर्वतों में से एक मानते हैं। इस पहाड़ की एक और अनोखी बात यह है कि इसकी ऊंची ढलानों पर आज भी कई गांव बसे हुए हैं, जहां लोग बेहद कठिन परिस्थितियों के बावजूद सामान्य जीवन जीते हैं। हैरानी की बात यह है कि सूरज के अपेक्षाकृत ज्यादा करीब होने के बावजूद यहां कड़ाके की ठंड पड़ती है और इसकी ऊंची चोटियां सालभर बर्फ से ढकी रहती हैं।

समुद्र तल से देखा जाए तो माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8,848 मीटर है, जबकि माउंट चिम्बोराजो की ऊंचाई करीब 6,268 मीटर है। फिर भी चिम्बोराजो की चोटी अंतरिक्ष के ज्यादा करीब मानी जाती है। इसकी वजह पृथ्वी का आकार है।

पृथ्वी पूरी तरह गोल नहीं है, बल्कि भूमध्य रेखा (भूमध्यरेखा) के आसपास थोड़ी उभरी हुई है। चूंकि चिम्बोराजो भूमध्य रेखा के बेहद करीब है, इसलिए पृथ्वी के केंद्र से इसकी दूरी एवरेस्ट से अधिक हो जाती है। इसी कारण इसे धरती का वह बिंदु माना जाता है, जो अंतरिक्ष और सुरज के बेहद करीब माना जाता है। चिम्बोराजो की ऊंची चोटी सालभर बर्फ और ग्लेशियर से ढकी रहती है। लेकिन इसकी ढलानों पर करीब 3,500 से 4,200 मीटर की ऊंचाई के बीच कई छोटे गांव बसे हुए हैं। इन गांवों में क्वेशुआ और पुरुहा आदिवासी समुदाय के लोग पीढ़ियों से रह रहे हैं। कठिन मौसम, कम सुविधाएं और ऊंचाई की चुनौतियों के बावजूद उन्होंने इस इलाके को अपना स्थायी घर बना लिया है। आज भी उनकी संस्कृति और परंपराएं काफी हद तक वैसी ही हैं जैसी कई पीढ़ियों पहले थीं। इतनी ऊंचाई पर हवा में ऑक्सीजन की मात्रा काफी कम होती है। जो लोग पहली बार यहां पहुंचते हैं, उन्हें सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द और चक्कर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन यहां रहने वाले लोगों का शरीर पीढ़ियों से यहां के वातावरण के अनुसार ढल चुका है, वो बिना किसी खास परेशानी के खेती, पशुपालन और रोजमर्रा के दूसरे काम करते हैं। कड़ाके की ठंड और तेज हवाओं के बावजूद उनका जीवन सामान्य तरीके से चलता रहता है।

चिम्बोराजो के आसपास रहने वाले लोग ठंड से बचने के लिए मोटी मिट्टी की दीवारों वाले पारंपरिक घर बनाते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'चोजा' कहा जाता है। इन घरों की छत पर सूखी घास की मोटी परत बिछाई जाती है, जिससे अंदर गर्माहट बनी रहती है। भोजन में आलू, चीज, एवोकाडो से बने सूप, गर्म जड़ी-बूटियों की चाय और मांस प्रमुख रूप से शामिल होता है। यहां खेती सीमित है, इसलिए अधिकतर परिवार पशुपालन पर निर्भर रहते हैं।

बिहार में एके-47 से लेकर तेजप्रताप की गिरफ्तारी तक बवाल

विपक्ष का सवाल- एक नेता को रात 1:30 बजे पुलिस ने क्यों किया अरेस्ट

» राजद व जनसुराज ने एनडीए सरकार पर साधा निशाना

» पुलिस कार्रवाई पर घमासान, बिहार बंद के समर्थन में जेल भेजे गए तेजप्रताप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा सीट, तेज प्रताप की गिरफ्तारी व सिवान में एके -47 को लेकर पटना की राजनीति काफी गर्मा गई है। विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेर लिया है। राजद, जनसुराज से लेकर कांग्रेस तक भाजपा-जदयू की एनडीए सरकार को घेरा लिया है। जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव द्वारा जन सुराज पार्टी को समर्थन देने और शनिवार देर रात उनकी गिरफ्तारी पर प्रशांत किशोर ने सरकार और पुलिस पर तीखा हमला बोला है।

रविवार को पटना में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तेज प्रताप की गिरफ्तारी से यह साफ पता चलता है कि सत्ता में बैठे लोग जन सुराज को मिल रहे जनसमर्थन से बुरी तरह घबरा चुके हैं। बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेजप्रताप यादव को नीट पेपर लीक के विरोध में बुलाए गए बिहार बंद को जबरन लागू कराने की कोशिश के आरोप में रविवार को बेउर केंद्रीय कारागार भेज दिया गया। मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। तेजप्रताप के वकील जगन्नाथ सिंह ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि तेजप्रताप को शनिवार शाम 7:30 बजे पटना के एक मॉल से गिरफ्तार किया गया, जबकि पुलिस थाने में रविवार तड़के 12.15 बजे दर्ज की गई। वकील ने कहा कि वे सोमवार को अदालत में जमानत याचिका दाखिल करेंगे और पुलिस की इस लापरवाही को कोर्ट के सामने रखेंगे।

सुराज को मिलते जनसमर्थन से डर गई एनडीए सरकार: पीके

तेज प्रताप यादव की आधी रात को हुई गिरफ्तारी पर प्रशांत किशोर ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने इसे जन सुराज को मिलते जनसमर्थन का डर बताते हुए पुलिस कार्रवाई की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रशांत किशोर ने तेज प्रताप यादव पर हुई पुलिस कार्रवाई के टाइम और तरीके पर बड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा, कल तेज प्रताप ने जन सुराज को अपना सपोर्ट देने का ऐलान किया और उसी रात 1:30 बजे पुलिस ने उन्हें अरेस्ट करके सीधे बेउर जेल भेज दिया। यह दिखाता है कि सरकार में बैठे लोग कितने डरे हुए हैं। आखिर उन्हें किस धारा के तहत गिरफ्तार किया गया? पुलिस प्रशासन को इस पर तुरंत जवाब देना चाहिए। हम उन सभी लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं जो इस सरकार की तानाशाही के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

रोहिणी आचार्य ने भी कसा तंज

सिंगापुर में रह रहीं तेजप्रताप की बड़ी बहन रोहिणी आचार्य ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने लिखा कि छात्रों और युवाओं के हक में आवाज उठाना कोई गुनाह नहीं है। सम्राट चौधरी सरकार राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए पुलिस का गलत इस्तेमाल कर रही है और जनता के आक्रोश से डर गई है।

जब कोई अपराधी सीएम बनता है तो पुलिस निर्दोष छात्रों पर गोलियां चलाती है : तेजस्वी

उधर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया था कि सिवान में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। उन्होंने इस घटना के लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की निंदा की थी। तेजस्वी यादव ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना का एक वीडियो शेयर किया था। उन्होंने लिखा था, सिवान में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों पर एके-47 से सीधे गोलीबारी की। जब कोई अपराधी, मुख्यमंत्री बन जाता है तो पुलिस निर्दोष छात्रों पर गोलियां चलाती है। विदेश यात्रा से लौटे राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने बड़े भाई के समर्थन में उतर आए हैं। तेजस्वी ने कहा, मेरे बड़े भाई को गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है और उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। बिहार की बीजेपी सरकार को चेतावनी है कि सभी बंद समर्थकों पर दर्ज केस वापस लिए जाएं, वरना हम बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। तेजस्वी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने को तैयार है, तब बिहार में इस तरह की तानाशाही और दमनकारी कार्रवाई क्यों की जा रही है।

इनको कुर्सी से उतारकर पीटना पड़ेगा, देश छोड़ने को मजबूर करना पड़ेगा

» जेजेपी सुप्रीमो का धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पानी की मांग को लेकर 62 दिनों तक चले आंदोलन में जीत हासिल करने के बाद रविवार को हांसी के चानौत गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से राजनीतिक दलों के नेता, किसान संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। कार्यक्रम में पहुंचे जेजेपी सुप्रीमो अजय सिंह चौटाला ने कहा कि चानौत गांव ने पानी के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और आखिरकार अपनी मांग मनवाने में सफल रहा। इस दौरान अजय सिंह चौटाला ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के मुद्दे पर तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि इनको कुर्सी से उतारकर पीटना पड़ेगा, बल्कि देश छोड़ने पर मजबूर करना पड़ेगा।

बता दें कि आंदोलन के दौरान गांव की मांग पर शहरी भाखड़ा पाइपलाइन में टी लगने के बाद ग्रामीणों ने इसे अपनी बड़ी जीत बताते हुए इसी की खुशी में यह आयोजन किया गया। जननायक जनता पार्टी के सुप्रीमो अजय सिंह चौटाला ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे गांव के संघर्ष की जीत है। उन्होंने कहा, जो संघर्ष करता है, उसकी हमेशा जीत होती है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में अजय चौटाला ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इनको कुर्सी से उतारकर पीटना पड़ेगा, बल्कि देश छोड़ने पर मजबूर करना पड़ेगा।

2028 का विस चुनाव नहीं लड़ूंगा: सिद्धारमैया

» पूर्व सीएम बोले- आज की राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने घोषणा की है कि वे वर्ष 2028 का आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके पीछे उन्होंने बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य कारणों और राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को मुख्य वजह बताया है। मांड्या में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 79 वर्षीय सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया कि यद्यपि वे चुनावी राजनीति से दूर हो रहे हैं, लेकिन वे हमेशा लोगों के बीच रहेंगे और उनकी आवाज उठाते रहेंगे। यह बात कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सिद्धारमैया की जगह डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आई है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि वे 28 का चुनाव लड़ें, लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव प्रचार के दौरान वरुणा के लोगों ने उन्हें पैसे दिए और उनकी जीत सुनिश्चित की, लेकिन अब वैसी स्थिति नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा कि वे अभी 79 साल के हैं और अगले विधानसभा चुनाव के समय 81-82 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सेहत अब उतनी अच्छी नहीं है और उनके लिए पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा, 28 तक मैं 82 साल का हो जाऊंगा। तब मेरे राजनीतिक जीवन के 50 साल पूरे हो जाएंगे।

मेरा भविष्य का जीवन भी जनसेवा के लिए समर्पित रहेगा

सिद्धारमैया ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, पांच दशकों से राज्य के लोगों ने मुझे अपने ही बीच का एक व्यक्ति माना है और प्यार से मेरा मार्गदर्शन किया है। मुझ पर उनका यह कर्ज है। इसलिए, मेरा भविष्य का जीवन भी जनसेवा के लिए समर्पित रहेगा। सिद्धारमैया कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रहे हैं; उन्होंने इस साल जनवरी में यह उपलब्धि हासिल की थी। कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन के तहत उन्होंने मई में अपना पद छोड़ दिया था। 023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद, कांग्रेस नेतृत्व ने सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई साल के फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया था। इससे पहले, सिद्धारमैया ने ऐसे किसी फॉर्मूले को अंतिम रूप दिए जाने की खबरों का खंडन किया था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें हटाकर शिवकुमार को लाने का फैसला किया। कांग्रेस ने अब 28 का चुनाव न लड़ने के सिद्धारमैया के फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि वह पार्टी का मार्गदर्शन करेंगे।

सिवान प्रोटेस्ट में एके 47 चलाने वाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के सिवान जिले में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एसआईटी मेंबर अभिषेक पटेल का एक वीडियो जारी हुआ था, जिसमें वह प्रदर्शनकारियों की दिशा में एके -47 फायर करते हुए दिख रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद इसकी पुष्टि करते हुए पुलिस प्रशासन ने अभिषेक पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है।

दावा है कि सिवान में छात्र आंदोलन के दौरान उन्होंने छात्रों की दिशा में एके -47 असॉल्ट लाइफल से फायरिंग की थी। वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिषेक ने पहले छात्रों की दिशा में एक गोली दागी जिसके बाद आंदोलनकारी छात्र पीछे की ओर भागने लगे। फिर आरोपी पुलिसकर्मी ने एक के बाद एक कई राउंड फायर किए. वीडियो में भी वह करीब 6 राउंड फायर कर छात्रों के पीछे दौड़ते दिखे थे।

भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंचा

» जिम्बाब्वे का सीरीज में किया सूपड़ा साफ, तीसरे टी20 में भी 35 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने हरारे में चल रही तीन मैच की सीरीज में जिम्बाब्वे को 3-0 की हराकर आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारत ने इंग्लैंड को पछाड़ा जिसने हाल ही में श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम को 0-4 से हराकर पांच मैच की सीरीज जीती थी। वहीं ईशान किशन बल्लेबाजों की सूची में 892 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद अभिषेक शर्मा (858 अंक) का नंबर आता है। और तिलक वर्मा 733 अंक के साथ आठवें पायदान पर बरकरार हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती शीर्ष 10 में अकेले भारतीय गेंदबाज हैं।

वह 683 अंक के साथ पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। भारत को श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पहली बार टी20 सीरीज में जीत मिली है। श्रेयस की कप्तानी में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने सीरीज गंवाई थी। श्रेयस कप्तान के तौर पर पहले सात मैचों में जीत नहीं दर्ज कर सके थे, लेकिन जिम्बाब्वे दौरे पर उन्हें राहत मिली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी20 मैच में 35 रनों से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। भारत ने इस तरह जिम्बाब्वे को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम को धीमी पिच पर बेहद संयमित बल्लेबाजी की जरूरत थी, लेकिन उसके बल्लेबाज ऐसा नहीं कर सके। पिछले मैचों की तरह इस मुकाबले में भी जिम्बाब्वे ने शुरुआती ओवरों में कई विकेट गंवा दिए और पावरप्ले का फायदा उठाने में नाकाम रही। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने खराब फील्डिंग करते हुए चार कैच छोड़े और कुछ बाउंड्री भी दीं।

प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुने गये वैभव सूर्यवंशी

प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुने जाने के बाद भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने इसे अपने लिए सपना सच होने जैसा पल बताया और टीम प्रबंधन का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उन्हें हमेशा अपना स्वाभाविक टी20 खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में तीन पारियों में 151 रन बनाए और 50.33 की औसत से रन जुटाए। पहले टी20 में मात्र 19 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़ा था, जबकि तीसरे मैच में उन्होंने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 49 गेंदों में 81 रन बनाए और भारत को जिम्बाब्वे पर 3-0 से क्लीन स्वीप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद सूर्यवंशी ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पहला प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार मिला है। यहां मेरी तैयारी भी काफी अच्छी रही। कोच, कप्तान और पूरी टीम ने मेरा पूरा साथ दिया। मैंने अपना स्वाभाविक टी20 खेल खेलने की कोशिश की। मेरा प्रयास टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का रहता है और अगर शुरुआत अच्छी मिले तो बड़ी पारी खेलने की कोशिश करता हूं।

पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार को फटकारा

» शीर्ष कोर्ट बोली- शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर नागरिक का अधिकार, लाठीचार्ज सही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित पुलिस ज्यादती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इसे किसी भी हाल में नकारा नहीं जा सकता। साथ ही कोर्ट ने इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई करने का फैसला किया है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे, ने कहा कि केवल प्रदर्शन होने भर से पुलिस की ओर से लाठीचार्ज या अत्यधिक बल प्रयोग को सही नहीं ठहराया जा सकता। इस सुनवाई के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों के परिजनों की ओर से दायर याचिका का भी जिक्र हुआ। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान कई पुलिसकर्मियों पर भी हमला हुआ था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन महत्वपूर्ण है, चाहे वह प्रदर्शनकारी हो या पुलिसकर्मी।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों दोनों की सुरक्षा जरूरी

प्रदर्शन के लिए तय हो एक समान व्यवस्था

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरे देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए एक समान प्रोटोकॉल (व्यवस्था) होना चाहिए। प्रदर्शन के लिए उचित स्थान तय किए जाएं और अनावश्यक प्रतिबंध न लगाए जाएं। यदि प्रदर्शन में असामाजिक तत्व शामिल हो जाते हैं तो उनसे अलग तरीके से निपटा जा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सभी प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया जाए। कोर्ट ने कहा कि यह केवल दिल्ली का मामला नहीं है, बल्कि पूरे देश में प्रदर्शन को लेकर एक समान व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

छात्रों पर पुलिस की लाठीचार्ज पर कांग्रेस का सरकार पर प्रहार

लोस के नेता प्रतिपक्ष ने गृहमंत्री शाह को लिखा पत्र

» राहुल गांधी ने पूछा- किसके आदेश पर चलाए गए पैलेट गन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की लाठीचार्ज को लेकर कांग्रेस ने मादी सरकार पर सवाल उठाए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को एक खत लिखा है। इस पत्र में उन्होंने सवाल उठाया कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला करने का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि वे 20 जुलाई को दिल्ली में शांति से अपनी बात रख रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय कराने के लिए यह लेटर लिख रहे हैं। राहुल गांधी ने अपने खत में कहा कि छात्र सिर्फ एक साफ-सुथरी और सही शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने की जगह सुरक्षाबलों ने उन पर आंसू गैस और पेलेट गन जैसे खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया।

छात्र साहिल लोचब से मिले कांग्रेस सांसद

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर नागरिक का हक

राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में शांति से अपनी बात रखना और प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा करे और बातचीत के जरिए उनकी समस्याएं सुलझाए। इस तरह की हिंसा लोकतंत्र के खिलाफ है और इससे पूरे देश के युवाओं में भारी गुस्सा है। छात्र अब सरकार से जवाब मांग रहे हैं और उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकती।

इस कार्रवाई में सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने छात्राओं के साथ भी बदसलूकी और मारपीट की। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें और रिपोर्ट इस बात का सबूत हैं कि लोग कितने गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है। राहुल गांधी ने बताया कि वे 19 साल के छात्र साहिल लोचब से मिले, जो पेलेट गन का छर्रा लगने की वजह से बेहद दर्द में है और उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा बना हुआ है।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा युवाओं की जीत : प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े का स्वागत किया। उन्होंने इसे देश के युवाओं की जीत बताया और पेपर लीक व शिक्षा सुधारों का मुद्दा लगातार उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ़ की। वायनाड में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ़ विरोध कर रहे छात्रों के साथ मज़बूती से खड़ी रही और शिक्षा सुधारों के लिए देशव्यापी आंदोलन खड़ा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में हमने उन्हें हर संभव तरीके से मज़बूती से समर्थन देने की पूरी कोशिश की है। राहुल गांधी लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा सुधारों के मुद्दे पर बात करते रहे हैं। मुझे लगता है कि दो-तीन साल से ज़्यादा समय हो गया है जब से वह लगातार यह मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के अभियान ने कांग्रेस, हस्ड्ढ और यूथ कांग्रेस को देश भर में छात्रों के लिए समर्थन जुटाने के लिए प्रेरित किया।

नीट पर लगना चाहिए प्रतिबंध : स्टालिन

» डीएमके की मांग- दिल्ली प्रदर्शन में हुई हिंसा की हो निष्पक्ष जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके ने देश भर में होने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। डीएमके सांसद टीआर बालू ने सोमवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया, जिसमें मौजूदा मानसून सत्र के दौरान नीट पर रोक लगाने की मांग की गई। यह मांग मई में हुए नीट यूजी पेपर लीक के बाद उठी है, जिससे देश भर में गुस्सा फैल गया था और छात्रों ने एक महीने से ज्यादा समय तक विरोध प्रदर्शन किया था।

आखिरकार इसके चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। इसके साथ ही डीएमके ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर जानलेवा हथियारों के अंधाधुंध इस्तेमाल की जांच की भी मांग की। प्रधान के इस्तीफे वाले दिन ही पीएम मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने प्रल्हाद जोशी को नया केंद्रीय शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है। हालांकि, प्रधान के इस्तीफे से विरोध प्रदर्शन शांत करने में मदद मिली। आंदोलन का नेतृत्व कर रही सोशल मीडिया की उपज कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रदर्शनकारियों से घर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों जगत प्रकाश नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ बैठक के बाद उनकी मुख्य मांग पूरी हो गई है।

37 दिनों के प्रदर्शन बहुत ही मुश्किल भरा दौर : दिपके

» प्रदर्शन के लिए तय हो एक समान व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभिजीत दिपके ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अब कोई घबराहट नहीं है। उन्होंने इस 37 दिनों के प्रदर्शन को बहुत ही मुश्किल भरा दौर बताया। गौरतलब है कि दिपके ने मई में देश के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी पर तंज कसते हुए सीजेपी की शुरुआत की थी। नीट पेपर लीक विवाद में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा मांगें मान लिए जाने के बाद, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने राहत की सांस ली है।

उन्होंने बेहद सुकून भरे अंदाज में कहा, अब मैं बिना इस फिक्र के अपने कमरे में सो सकता हूं और जाग सकता हूं कि आगे क्या करना है या शाम को क्या होगा। 37 दिनों तक चले इस कठिन आंदोलन के खत्म होने के बाद दिपके काफी शांत और तनावमुक्त नजर आए। अभिजीत दिपके ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अब कोई घबराहट नहीं है।

याद किए गए वरिष्ठ व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी

» सभी ने कहा- व्यंग्य के सिरमौर थे गोपाल जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की प्रतिष्ठित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था बिम्ब कला केन्द्र द्वारा स्थानीय प्रेस क्लब सभागार में संस्था के पूर्व मुख्य संरक्षक एवं सुविख्यात व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी की प्रथम पुण्यतिथि पर समय के सारथी गोपाल कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा गोपाल चतुर्वेदी द्वारा रचित एवं सुप्रसिद्ध सितारवादक पंडित रविशंकर द्वारा संगीतबद्ध गीत जय देश भारत भारती की प्रस्तुति के साथ हुआ। बिम्ब कला केन्द्र के महासचिव अशोक बिसारिया ने गोपाल चतुर्वेदी की चर्चित व्यंग्य रचना ढोल ही ढोल का प्रभावशाली पाठ किया।

वरिष्ठ साहित्यकार श्याम मिश्र ने कहा कि गोपाल चतुर्वेदी अत्यंत सरल,

संवेदनशील और आत्मीय व्यक्तित्व के धनी थे। वे अपने से बड़ों को पूरा सम्मान तथा छोटों को भरपूर स्नेह देते थे। संस्था के मुख्य संरक्षक एवं सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार सूर्यकुमार पांडेय ने उनके साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गोपाल चतुर्वेदी ने अपने समय की विसंगतियों पर लिखते हुए भी ऐसा साहित्य रचा, जो केवल सामयिक नहीं, बल्कि शाश्वत है। यही कारण है कि उनके व्यंग्य आज भी कालजयी हैं। बिम्ब कला केन्द्र के संस्थापक एवं वरिष्ठ साहित्यकार साहित्य भूषण राजेश अरोरा शलभ ने अपनी ग़ज़ल-व्यंग्य के सिरमौर थे गोपाल जी, दिलों के चितचोर थे गोपाल जी की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।कार्यक्रम के सभाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह अचानक अस्वस्थ होने के कारण उपस्थित न हो सके! उनके स्थान पर सभा की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति जी.बी. पटनायक कहा कि गोपाल जी बेहद संवेदनशील एवं उच्चकोटि का व्यंग्यकार थे। उन्होंने कहा कि गोपाल चतुर्वेदी का निधन न केवल हिंदी व्यंग्य साहित्य की अपूर्णीय क्षति है, बल्कि हम सभी के लिए भी व्यक्तिगत रूप से एक बड़ी क्षति है। कार्यक्रम के अंत में बिम्ब कला केन्द्र के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप वार्ष्णेय ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के अध्यक्ष महेश पांडेय ने किया।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा